परिवार के सुख के लिये

थैलेसीमिया

से बचाव

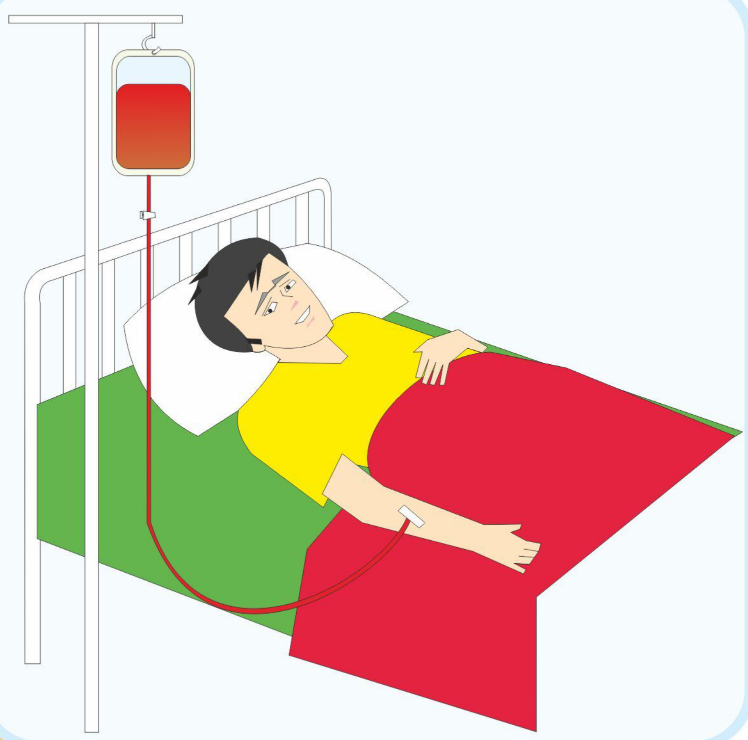

थैलेसीमिया क्या है?

* थैलेसीमिया मेजर एक गंभीर वंशानुगत बीमारी है।
* थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों में जन्म से ही रक्त नहीं बनता है तथा इन्हें जीवित रहने के लिये प्रतिमाह रक्त चढ़वाना पड़ता है।
* इस बीमारी का उपचार बहुत खर्चीला एवं कठिन है।

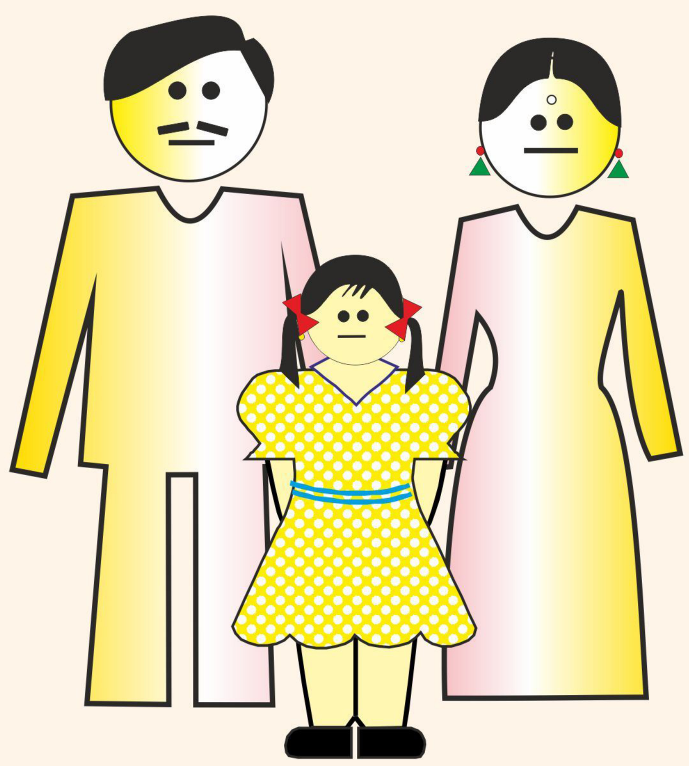

थैलेसीमिया होने के कारण

* भारतवर्ष में 3% व्यक्ति थैलेसीमिया के संवाहक हैं।
* संवाहक स्वयं तो रोगी नही होते किन्तु उनके बच्चे में थैलेसीमिया से पीड़ित हो सकते हैं।
* यदि माता पिता दोनों ही थैलेसीमिया संवाहक हों तो थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त शिशु के जन्म होने की संभावना 25% होती है।

थैलेसीमिया से बचाव के लिए

* गर्भधारण के पूर्व रक्त परीक्षण से यह सुनिश्चित करें कि आप थैलेसीमिया संवाहक हैं अथवा नही।
* यदि माता-पिता दोनों ही संवाहक हो तो गर्भस्थ शिशु की 10 -12 सप्ताह में जाँच करके थैलेसीमिया से पीड़ित शिशु का जन्म रोका जा सकता है।
* विशेषज्ञों द्वारा यह जाँच सुविधा व सलाह अब देश के कई स्थानों पर उपलब्ध है।

करवायें थैलेसीमिया की जाँच, पायें उचित सलाह ।
भावी समाज को दिखलायें थैलेसीमिया से मुक्ति की राह ।।